Self Respect

13-08-2014

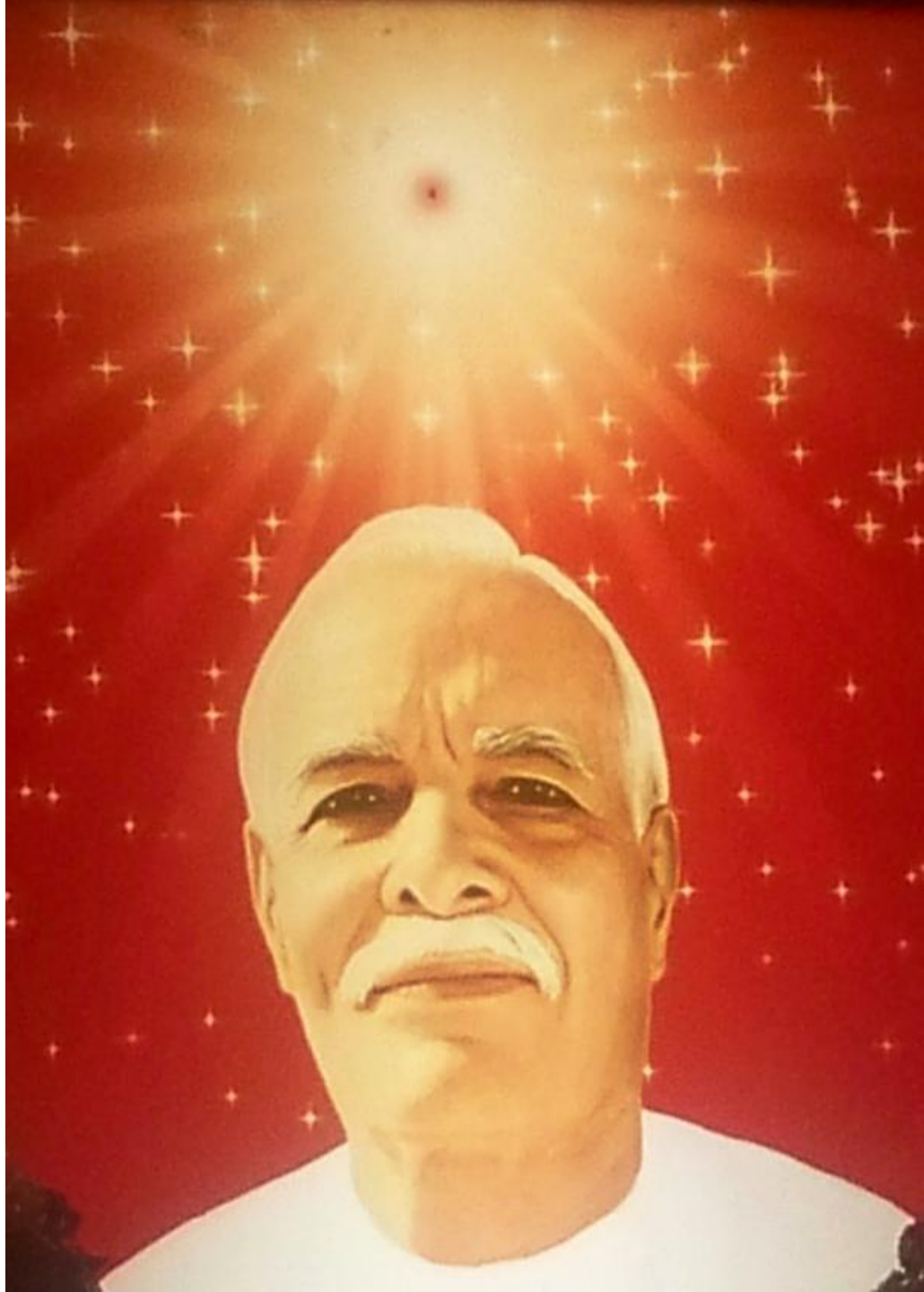

- ✓रूहानी बाप के रूहानी बच्चे यह तो हर एक जानते होंगे कि बाबा हमारा बाप भी है, टीचर भी है और सतगुरू भी है ।
- ✓बाबा हमको मनुष्य से देवता बनाते हैं क्योंकि बेहद का बाप हैं ना । बेहद का बाप है तो जरूर बेहद का वर्सा ही देंगे ।
- ✓वह तो खुद ही घरबार छोड़ते हैं । तुमने सन्यास किया है विकारों का । वह तो कह देते हैं हमने घरबार छोड़ा, तुम कहते हो हम सारी दुनिया के विकारों का सन्यास करते हैं ।
- ✓अभी तो है पुरानी दुनिया । इस संगमयुग का तुमको ही पता है और कोई समझ न सके ।

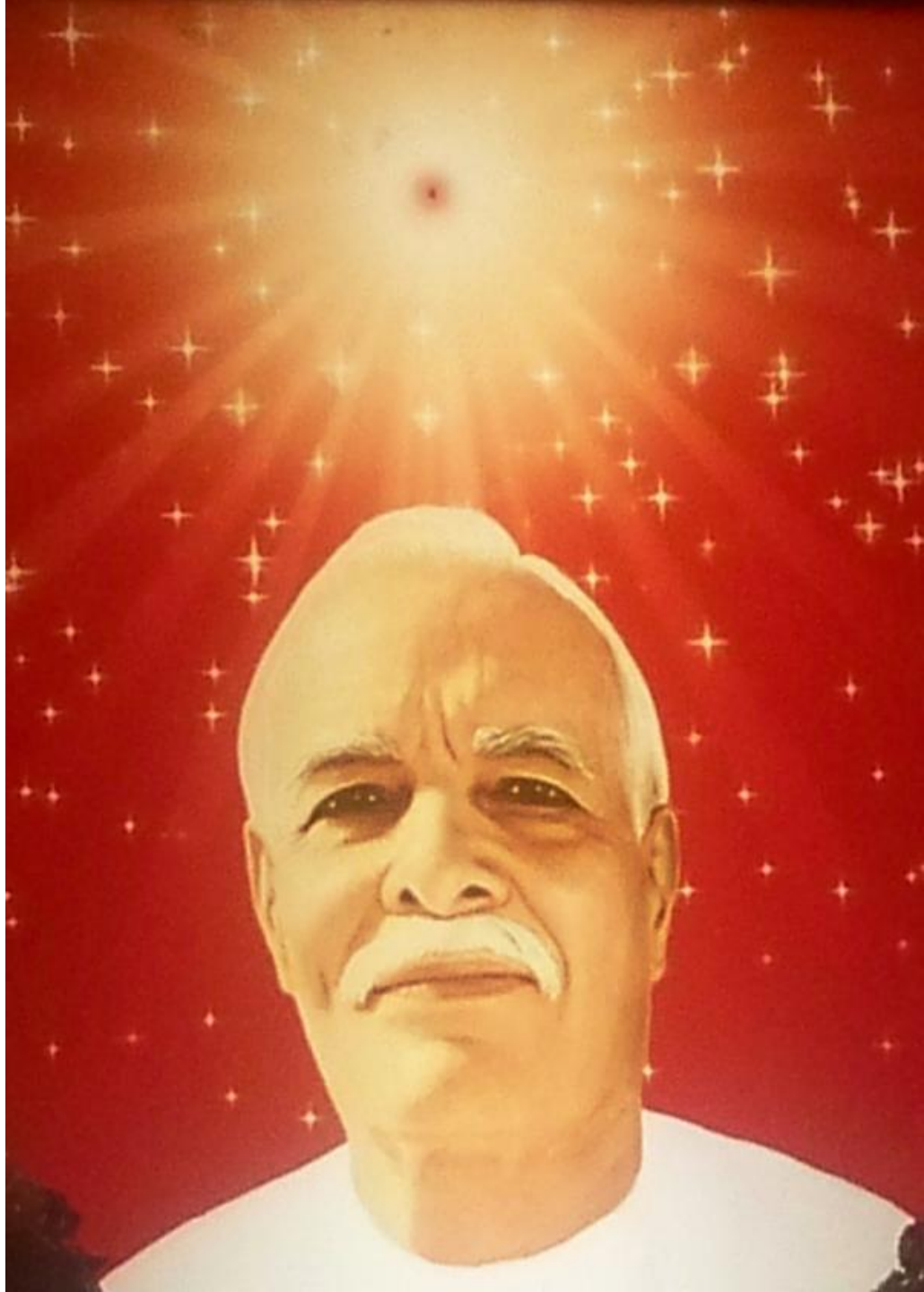

- ✓कहते हैं अमरनाथ पर भी कबूतर होते हैं । पिजन पैगाम पहुँचाते हैं । ऐसे नहीं, परमात्मा का पैगाम ऊपर से कबूतर लायेंगे । यह भी सिखलाते हैं । उनके पाँव में लिखकर बाधेंगे तो ले जायेगा । उनको सहज रीति दाना मिलता है तो और कहाँ भटकने की दरकार नहीं । तुमको भी यहाँ दाना मिलता है, तुम्हारी बुद्धि में है विश्व की बादशाही, जो यहाँ से मिलती है । वह फिर समझते हैं दाना यहाँ मिलता हैं तो फिर हिर जाते हैं । तुम तो चैतन्य हो, तुमको अविनाशी ज्ञान रत्नों का दाना मिलता है ।

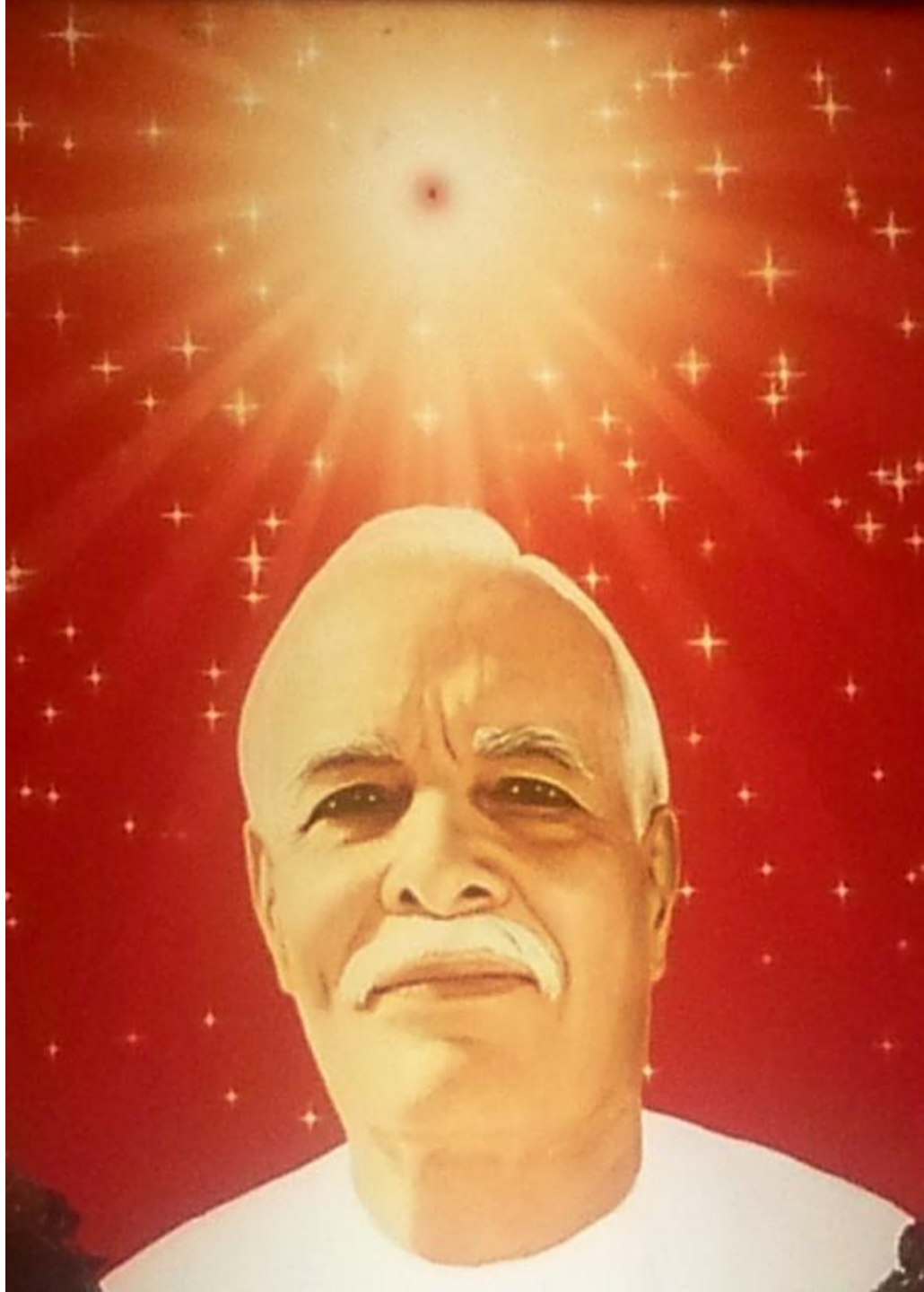

✓ अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |

✓वरदान: अकाल तख्त और दिलतख्त पर बैठ सदा श्रेष्ठ कर्म करने वाले कर्मयोगी भव !